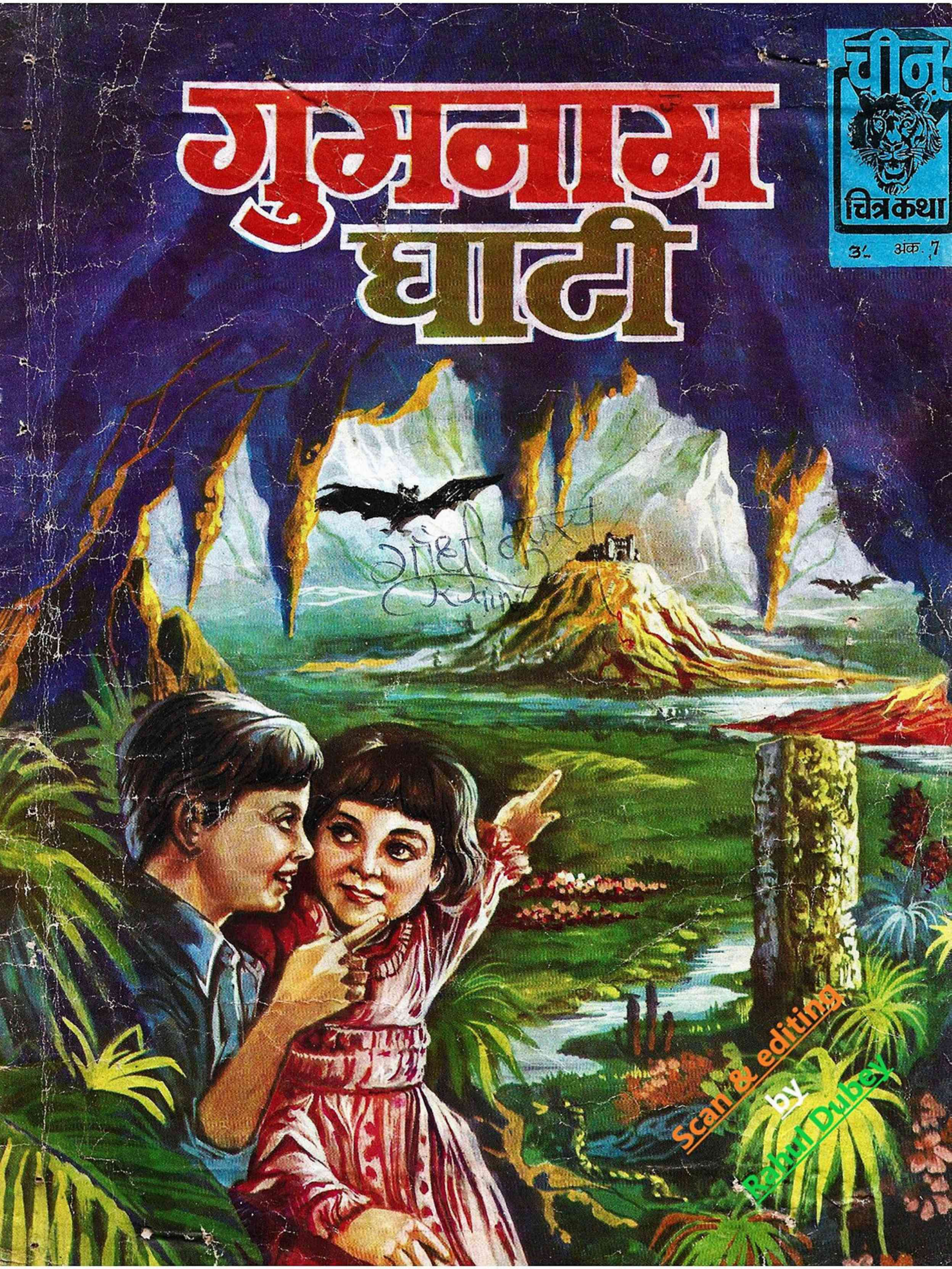
COMPLETE SERIES





PRESENTED BY RAHUL DUBEY


चित्रकथा
अंक. 7
गुमनाम
घाटी
Scan & editing
by
Rahul Dubey



सम्पादिका: उषा रानी व अनिल
लेखन: चन्दर मोहन चित्रांकन: वीनस आर्ट्स
महावीर प्रसाद जैन द्वारा बॉबी पॉकेट बुक्स, ईश्वरपुरी
मेरठ-२ से मुद्रित तथा प्रकाशित

गुमनाम घाटी

चन्द्रमोहन




इसको भी इसी समय गायब होना था !
लेकिन वह इतनी जल्दी जा कहां सकता है !
अरे ! यह क्या ? वह झाड़ी कैसे हिल रही है ?
वह झाड़ी नहीं, बल्कि मुकेश ही था ।
हेय ! देखो मुझे क्या मिला है !
मुकेश, मोना तुम्हें जादुई झाड़ी समझ रही थी ।
क्या तुम दिन छुपने तक यहीं रहना चाहते हो ?
इस हैट के अलावा मुझे कुछ और भी मिला है । आओ, मैं तुम्हें दिखाता हूं ।


मैंने सुबह नक्शे में देखा था। अमीरपुर के नजदीक नहर के किनारे एक गांव है, लेकिन यह तो एक पेरिडो नजर आ रहा है।


हो सकता है यह कोई भूतों का गांव हो !
कुछ भी हो—रात बिताने के लिये कोई जगह तो चाहिये। आओ, इस पेरिडो (छोटे गांव) में ही चलें !


रास्ता बहुत उबड़-खाबड़ था।
यहां तो कोई आदमी नजर नहीं आता। मुकेश तुम ठीक ही कहते थे, यह तो कोई भूतों का गांव है!
मुझे तो यहां सिर्फ यही एक इमारत छतदार नजर आ रही है। हम यहां रात आसानी से बिता सकते हैं।
लेकिन जब वे चारों इस इमारत के करीब पहुंचे...
देखो, यह घोड़े! मुझे तो यह सराय पहले से ही भरी नजर आती है।
आशा है, यह हमारी भाषा समझ लें कि हम कितने भूखे हैं।
हम इशारे से समझा देंगे!
हां...हां...


एक अधेड़ बड़ी-बड़ी मूंछों वाले आदमी ने दरवाजा खोला ।
तुम्हें क्या चाहिये ?
हम बहुत थके हुये हैं । हम एक रात के लिये यहां ठहरना चाहते हैं ।
यहां कोई जगह नहीं है, आप जा सकते हैं ।
क्या बात समझ में आयी ?
यदि यहां कोई जगह नहीं है; तो यहां पर बहुत सारे आदमी होने चाहिए ?
हम अब और आगे नहीं जा सकते । रात घिरती आ रही है । हमें ठहरने का इन्तजाम करना चाहिए।


इन उजाड़ टूटी-फूटी झोपड़ियों में ठहरा जा सकता है।
किसी भी झोपड़ी में छत नहीं है। कल की तरह तूफान आ गया, तो हमारी कुल्फी जम जायेगी।
उन विरान खन्डहरों के बारे में क्या ख्याल है? हमें वहां कहीं-न-कहीं ठहरने की जगह मिल जायेगी।
Scan & editing by Rahul Dubey


इसी बीच सराय में!
वे कौन थे टोनी?
चार बच्चे थे, रात भर ठहरने के लिये कह रहे थे।


बच्चे ? वे यहां कैसे आये ? पेरिडो में तो कोई नहीं आता । उन्होंने यह सब सामान तो नहीं देखा ?
मेरे ख्याल से वह रास्ता भूल गये हैं. विक्टर तुम उन पर निगाह रखो, और उन्हें यहां-से जल्दी-से-बाहर खदेड़ने का प्रयास करो ।
यह किसी पुराने मठ के खन्डहर मालूम पड़ते हैं ।
कैसी भयानक जगह है, ऊपर से हल्की थपथपाहट की सी आवाज आ रही है ।
यह चमगादड़ों के उड़ने की आवाज है मोना ।
यह जगह पिछले दो सौ सालों से वीरान पड़ी होगी ।
यह जगह ठीक है । यहां पर पड़े इस टूटे-फूटे फर्नीचर से हम आग भी जला लेंगे ।
सामने ढलान में छोटी-सी नहर बह रही है । मैं वहां से पानी लेकर आता हूं, तब तक तुम लोग आग जलाओ ।


आग की लपटों से रोशनी हो गयी थी। चारों ने मिल कर खाना खाया और सोने के लिये अपने-अपने बिस्तरों में घुस गये।
क्या करें, खाने में मजा नहीं आया। पता नहीं उस आदमी ने हमें सराय में ठहरने की जगह क्यों नहीं दी ?
मुझे तो वह बदमाश लग रहा था।
मैं बहुत थक गया हूं, अब थोड़ा सो लें।


बेचारी मीना ने एक झपकी ही ली होगी कि वह हड़बड़ा कर उठ बैठी।
आ SSSSS ई। मेरे चेहरे पर एक तेज चुभन हुई है।


मीना की घबराहट बढ़ती जा रही थी। इस विरान खंडहरों में उसका दम घुट रहा था।
मुझे विश्वास है कि वह कोई चमगादड़ रहा होगा।
नीना। वह चाहे कुछ भी रहा हो, लेकिन उस का स्पर्श बहुत ही डरावना था। मैं अब यहां एक मिनट भी नही रुक सकती।
ठीक है, हम और कोई जगह ढूंढते हैं।
पास ही ओट में छिपा विक्टर उन्हें वहां से जाता देख रहा था।
हां! हां! कैक्टस की इस झाड़ी ने ही लड़की के होश उड़ा दिये। टोनी इनके जाने के बारे में जान कर बहुत खुश होगा।
पूरी रात परेशानी के बावजूद वह चारों बहादुर बच्चे अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहे। सुबह होने तक ये सोनागढ़ की सीमा पर पहुंच गये।
वह नन्द गांव है।
उस ओर शायद प्रतापगढ़ होगा।
प्रतापगढ़ पहुंचने से पहले दोस्तों हमें पेट-पूजा कर लेनी चाहिये, भूख की वजह से तो मेरी जान निकली जा रही है।
यी ऽऽऽपी! वह प्रतापगढ़ ही है।


नन्द गांव के एक खुले रेस्तरां में उन्होंने नाश्ता किया।
बच्चों तुम शायद कल का मेला देखने आये हो? बहुत अच्छी बात है। वैरी गुड!
इसमें बहुत अच्छी खुशबू आ रही है।
तुमने मेले के बारे में वेटर की बात सुनी? हमें कल तक उस मेले के लिये रूकना चाहिये!
है, पापा!
जैसा तुम चाहो।
एक दुबले-पतले चेहरे का कोई ग्यारह साल का लड़का दीवार की दूसरी तरफ से निकल कर आया। उसने मुकेश की तरफ देखा।
तुम मेरे पिता नहीं हो। क्षमा करना, तुम्हारे इस हैट की वजह से मैं तुम्हें गलत समझ बैठा।
ओ


इससे पहले कि मुकेश कुछ कह पाता वह लड़का तेजी से भाग लिया ।
मुकेश चुपचाप बैठ कर अपनी प्लेट खत्म करो । करो। तुम्हारे इस तरह के हैट यहां दस – दस पैसे के बहुत मिल रहे हैं ।
मेरे ख्याल से वह लड़का भी यहां मेला देखने आया होगा ।


नाश्ता खत्म करके चारों मिलकर शहर घूमने को चल दिये ।
क्यों न पहले ही इस होटल में कमरा बुक करा दें । मेले के दिन यहां बहुत भीड़ हो जायेगी ।


उमेश ने स्वागत-कक्ष में आकर कमरों के लिये बात की-।
सिर्फ़ दो कमरे पहली मंजिल पर बचे हैं।
धन्यवाद !
चारों ने वह सारा दिन इधर-उधर मेले की तैयारी होते देखते बिताया ।
अपने चेहरे के मुखौटे आज ही खरीद लें, मेले वाले दिन अपनी पसंद के नहीं मिल पायेंगे ।
मेरे चेहरे पर यह कैसा लगता है ?
तुम्हारे चेहरे की खूबसूरती कुछ ज्यादा बढ़ गयी है ।
रात को होटल में सोते-सोते अचानक मुकेश की आंख खुल गयी ।
वह क्या चीज थी ?


अरे ! यह तो चोर है ?
मुकेश बिस्तर से निकल कर जैसे ही आगे बढ़ा, बिस्तर पर रखी एक किताब नीचे गिरी। किताब गिरने की आवाज सुनते ही वह चोर भाग खड़ा हुआ।
एक क्षण के लिये वह चोर बालकनी की मुंडेर पर लटका रहा।


वह जमीन पर कूदकर अन्धेरे में गायब हो गया।
मैं उसे नहीं पकड़ सकता, लेकिन उसके हाथ में पहनी अंगूठी को अच्छी तरह पहचान सकता हूं!
मुकेश! क्या बात है?
मुकेश ने शीघ्रता से सारी बातें बताईं।
एक बुजदिल चोर था। मेरे ख्याल से वह कमरे से कोई भी चीज़ नहीं ले जा पाया है।
तुम वही लड़के हो जो सुबह मुझे रेस्तरां में मिले थे? मुझे मालूम न था कि तुम हमारे पड़ोसी हो।
Scan & editing by Rahul Dubey


उस छोटे बालक ने विकी नाम से अपना परिचय दिया। वह बम्बई का रहने वाला था।
क्या बात थी? आपके यहां हुई आवाज सुनकर मेरी नींद खुल गयी।
ऐसे ही कोई चोर था, जिसने हमारी चीज़े चुराने की कोशिश की, लेकिन घबराने की कोई बात नही विकी, अब तुम जाकर आराम करो।
नाश्ते के समय मुकेश ने पिछली रात के कारनामे के बारे में बताया।
क्या मुझे चोर के बारे में मैनेजर को जाकर बताना चाहिये?
इसमें परेशान होने की कोई बात नहीं, मेले में हजारों आदमियों में कुछ चोर - उच्चके भी होंगे। हमें अब अपने सामान से चौकस रहना चाहिये।


वे सब जाकर मेले के खेल-तमाशे का आनन्द लेने लगे ।
यह देखो, विकी !
मुकेश ऐसा लगता है यह शायद बिल्कुल अकेला है, जाकर उसे हमारे साथ शामिल होने को कहो ।
मुकेश विकी तक पहुंच पाता, मेले के भीड़-भड़क्के में विकी फिर खो गया ।
अब मैं उसे कहाँ ढूंढूं । अरे ! यह तो वैसी ही अंगूठी है जैसी उस चोर ने पहन रखी थी ।
उत्सुकता से मुकेश उस की ओर लपका ।
अरे ! जनाब एक निगाह हमें आपकी सूरत तो देखने दो ।
हे ! ये क्या कर रहे हो ?


क्या तुम्हारे साथ कोई नहीं है, विकी ?
नहीं, मैं नन्द गांव में अपने पिता का इन्तज़ार कर रहा हूं, वह पुरातत्व विज्ञान के अध्यापक हैं। कोई दो दिन पहले वह ऊपर पहाड़ों की तरफ गये थे, तथा मुझसे वायदा कर गये थे कि वह मेले वाले रोज मेरे पास आ जायेंगे। मेरे पिता का नाम प्रोफेसर कुमार है।
विकी के जवाब को सुन मुकेश सोच में पड़ गया।
मुझे यह हैट वहीं पहाड़ी में मिला था। विकी कहता है, यह हैट बिलकुल उसके पिता के हैट की तरह का है। कहीं उन्हें कुछ हो न गया हो, और वह आज मेले के लिये वापस न आ सके हों ?
विकी मुझे लगता है इसे सोचने का कोई मसाला मिल गया है। यह मेला-ठेला सब भूल चुका है। आओ, चलकर कठपुतली का तमाशा देखें। मुकेश चलो...
विकी को परेशान होने की ज़्यादा जरुरत नहीं है। उसके पिता को गये केवल दो दिन ही तो हुये हैं।
माना ! मैं आ रहा हूं।


कठपुतली का तमाशा बड़ा ही रोचक था, लेकिन एक व्यक्ति उसमें रुची न लेकर मीना तथा उसके साथियों में ज्यादा रुची ले रहा था।
यह विको इन लड़कों के साथ कैसा चिपक गया है। इनकी वजह से कोई गड़बड़ हो सकती है। मुझे बहुत सोच-समझ कर कदम उठाना चाहिये ?


जब वे चारों मेले से लौटे, तो होटल मैनेजर उन चारों के पास आया।
मुझे उम्मीद है कि आपको हमारे स्वागती क्लर्क की गलती से कोई परेशानी नहीं हुई होगी ?
कैसी गलती, श्रीमान् ?


क्लर्क ने प्रोफेसर कुमार के कमरे के आगे रजिस्टर में आपके कमरे का नम्बर लिख दिया था । प्रोफेसर कुमार तथा उनके लड़के के नाम कोई आदमी एक संदेश लेकर आया था ।
ओह ! नहीं, ऐसी कोई बात नहीं ।
लेकिन ऊपर जीना चढ़ते समय नीना के दिमाग में एकदम विचार आया ।
एक सेकण्ड ! कहीं ऐसा तो नहीं कि वह रात वाला चोर विकी के कमरे में आया हो, लेकिन गलती से ....
तुम्हारा ख्याल है, उसने वह विकी का कमरा समझा हो ? चलो विकी से चल कर पूछें, शायद वह कुछ बता सके!
लेकिन विकी कुछ न बता पाया ।
मेरे पिता मेरे पास न तो कोई कीमती चीज़ छोड़ गये थे, और न पैसा ।
क्या मैं तुम्हारे कमरे को देख सकती हूं, शायद कोई सुराग़ मिल जाये ।


इससे पहले की मुकेश उस चोर को पकड़ पाता, वह चोर अपना मुखौटा पहन, भीड़ में गायब हो गया ।
मुकेश तुम इस तरह से लोगों के मुखौटे उतार-उतार कर क्या देख रहे हो ?
मुकेश यह वही आदमी था, जो रात में हमारे कमरे में घुस आया था ।
उन्होंने उसको खोजने का प्रयास किया, लेकिन वह फिर उन्हें न मिला ।
मुकेश तुम यह कैसे कह सकते हो कि वह वही चोर था ?
मैं उसके हाथ में पहनी अंगूठी को बखूबी पहचान सकता हूं, साथ-ही-साथ मैंने उसका चेहरा भी देख लिया है ।
ओह, देखो, विकी फिर दिखाई पड़ा ।
इस बार विकी उनसे ओझल न हो पाया । उसे उन चारों के साथ मिल कर बड़ी प्रसन्नता हुई ।
विकी, यह खाओ, इसके खाने से तुम्हारा गला तर हो जायेगा ।
धन्यवाद, मुकेश ! इतना सारा तरबूज मैंने कभी नहीं खाया ।


तलाशी में नीना की ड्राअर में से एक लिफाफा मिला
यह क्या है विकी ?
अरे ! मैं तो भूल ही गया था। पिताजी कह गये थे कि यह लिफाफा बहुत ही महत्वपूर्ण और कीमती है।
प्रोफेसर कुमार एफ० ए० ए० एस०
होटल स्टार, नन्द गाँव
सोनागढ़ !


हो न हो वह चोर इसी लिफाफे के लिये आया था। विकी हो सकता है, वह फिर दुबारा से इस लिफाफे के लिये आये ?
हमें इस लिफाफे को संभाल कर रखना चाहिये।
नीना को इस बात का कतई अंदाजा नहीं था कि वह अंगुठी वाला आदमी नीचे बालकनी में खड़ा उनकी बातें सुन रहा है।
ठीक है मुकेश, अब तुम ही इस लिफाफे को अपने पास रखो।
तुम मुझ पर पूरा विश्वास करो विकी।
तो, अब वह लिफाफा उन लड़के-लड़कियों के कब्जे में आ गया है ? जैसे भी हो-मुझे उसे प्राप्त करना है !
लड़कों ने उसे छिपाने में कोई देर न की !
इसे छुपाने के लिये यह जगह ठीक है।
यहां से हम बारी-बारी से इस पर नज़र भी रख सकते हैं, और यदि वह विकी के कमरे में आयेगा, तो हम उसे पकड़ भी लेंगें।


लेकिन मुकेश के निराशा ही हाथ लगी। पूरी रात कुछ न हुआ।
प्रोफेसर कुमार के लिये तार है मैनेजर ने कहा है कि यह तार तुम्हें दे दिया जाये। यह बम्बई से आया है।
धन्यवाद ! खोलकर देखू शायद इसका कोई जवाब देना हो।
अस्थाना आज बम्बई से आ रहे हैं। हमें होटल में रह कर उनका इन्तजार करना चहिये। मि० अस्थाना मेरे पिता के सैक्रेटरी हैं।
विकी, मैं यहीं तुम्हारे साथ रहूंगी मैं औरों के साथ खरीदारी करने नहीं जाना चाहती।
नीना तथा दोनों लड़के होटल से चल पड़े।
मुझे खुशी है कि विकी के पिता के सैक्रेटरी आ रहे हैं। अब हमें विकी की कोई चिन्ता नहीं रहेगी।
मिस्टर अस्थान को हम वह लिफाफा सौंप देंगे। आशा करो, वह तुम्हें सुरक्षित मिल जाये।
मुझे पूरा विश्वास है।


अच्छा हुआ, यह तीनों चल दिये। मुकेश भी इनके साथ है सिर्फ यही लड़का मुझे पहचानता है।
नन्द गांव में घूमने - फिरने के बहुत स्थान थे। तीनों का समय बहुत तेजी से बीता।
अब हमें वापस चलना चाहिये। वह होटल में हमारा इन्तजार कर रहे होंगे।
आप दोनों चलो, मैं अपने बाल कटवा कर आता हूँ।
बालों को ज्यादा छोटा न करा देना, वरना यह हैट तुम्हारे सर से नीचे आ जायेगा।


नाई व्यस्त था।
कृपया थोड़ी देर इन्तजार करें!
मुझे जल्दी नहीं है !
मुकेश खाली बैठा हफ्ते पहले का अखबार पलट रहा था। अचानक वह अपनी सीट से चौंक कर उछल पड़ा।
अ SSS रे !
वह तीर की तरह भाग खड़ा हुआ।
हे मिस्टर, मेरा अखबार...
यह तो कहता था कि उसे कोई जल्दी नहीं है।
उसे शायद कोई करेंट लग गया था।


नीना और उमेश आश्चर्य से मुकेश को अपनी तरफ दौड़कर आता देखकर चौंके।
हे रुको ! रुको !!
कौन-सा पहाड़ टूट पड़ा ?
बदहवास से मुकेश ने दोनों को वह अखबार दिखाया।
प्रोफेसर कुमार, एफ० ए० ए० एस० प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता मायान मन्दिरों की खोज में नन्द गाँव जा रहे हैं। उनके साथ उनके सैक्रेटरी मिस्टर अस्थाना भी हैं।
अस्थाना वही चोर है, जो उस दिन मेरे कमरे में घुस रहा था। वही अंगूठी वाला आदमी, मैंने उसका मुखौटा उतार कर उसका चेहरा देखा था।
क ऽऽऽ या ?


तुम यह पूरे विश्वास से कह रहे हो मुकेश । फिर उस टेलीग्राम कि क्या असलियत है, जो विकी को बम्बई से आया है ?
अस्थाना एक साथ दो जगह नहीं हो सकता ।
लेकिन मैं पूरे विश्वास से कह रहा हूं, यह वही आदमी है । उसने निश्चय ही किसी दूसरे व्यक्ति से बम्बई से यह तार करवाया होगा । इसमें जरूर उसकी कोई साजिश है । हमें विकी को इस बारे में चौकन्ना कर देना चाहिये ।


मुकेश की बातों से पूरी तरह संतुष्ट होकर नीना तथा उमेश दोनों होटल की तरफ लपके, लेकिन जैसे ही वह होटल के करीब पहुंचे, उन्हें वहां कुछ और ही देखने को मिला ।
अरे ! वह विकी तो अस्थाना के साथ जा रहा है ।
हमें बहुत देर हो गयी !


निस्सहाय से वह जाती हुई कार को देखते रहे ।
मैंने कार का नम्बर नोट कर लिया है । चलकर मैनेजर से मिलें, वह शायद कुछ कर सके !
मैनेजर उनकी बातों से कतई प्रभावित न हुआ ।
यह सब तुम्हारा वहम है कि इतने बड़े प्रोफेसर का सैक्रेटरी धोखेबाज होगा, और फिर विकी उसे देख कर इतना खुश क्यों हुआ ?
मुझे भी यह बड़े मजे की बात लगती है, सिर्फ मुकेश ने ही तो अस्थाना को देखा है !
लेकिन मुझे पूरा विश्वास है, विकी का अपहरण कर लिया गया है ।

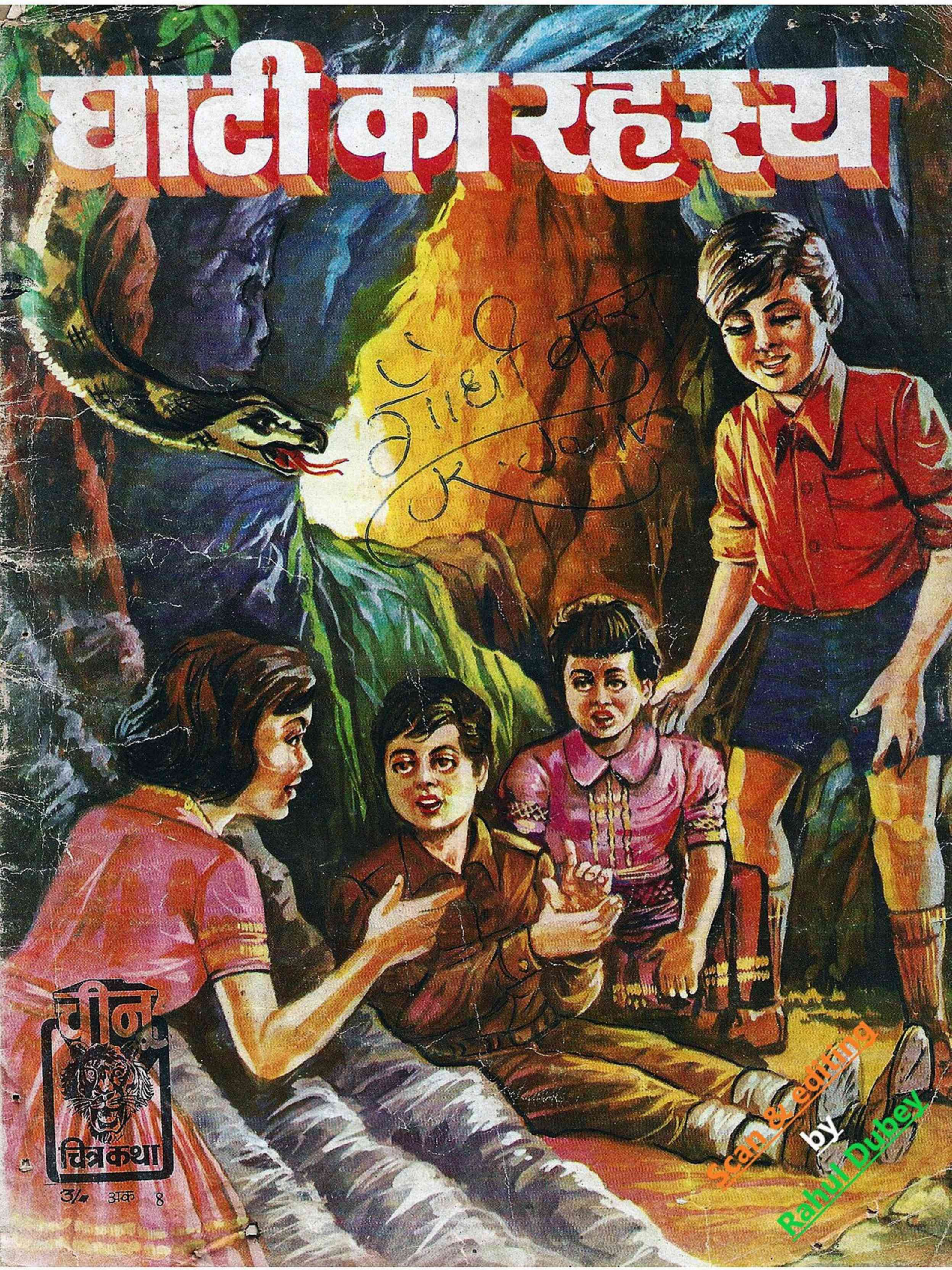

मीना इस समाचार को सुनकर आश्चर्य में पड़ गयी।
तो अस्थाना एक धोखेबाज था, और मैंने विकी को चुपचाप उसके साथ जाने दिया।
अब जो होना था, हो चुका... अस्थाना उस लिफाफे के बिना विकी का कुछ न कर पायेगा। हमें वह लिफाफा देखना चाहिये।
लेकिन उसने तो विकी से सबसे पहले उसी लिफाफे के बारे में पूछा था और मैंने यह जानकर की वह उसे उसके पिता के पास लिये जा रहा है, वह लिफाफा उसे सौंप दिया था!
अब क्या होगा?
बहुत बड़ा धोखेबाज था।
फिक्र न करो, अब मेरा एक कमाल देखो।
मध्यांतर


प्यारा भाई
चन्द्रमोहन
टी...ही ... इस तरह...
वास्तव में तुम बहुत दक्ष हो जोला ।
मैं जूडो अपने भाई एलिस से निबटने के लिये सीख रही हूं ।
लेकिन मैं तुम्हारी भाई नहीं बन सकती ।
ईश्वर को धन्यवाद दो कि तुम्हें मेरी जैसी सिखाने वाली मिली ।
सिस्टर जोला आ रही है; जरूर इसने आज किसी से पैसे ऐंठे हैं, मैं अब इससे वसूल करूंगा ।


मुझे मालूम है अब तुम्हारे पास पैसे हैं, जोला वह तुम मुझे दे दो ।
भाई एलिस आज तुम्हें ज्यादा ही पैसे मिलेंगे ।
बहुत ठीक है—ओफ्फ !



Metro Offset Printers, New Delhi.


घाटी का रहस्य
चीता
चित्रकथा
3/- अंक 8
Scan & editing by Rahul Dubey



राम श्याम 001/2
बालजगत के लिये आश्चर्यजनक खोज
चीनू
चित्र कथा
Scan & editing by Rahul Dubey
चीनू चित्रकथा
बहादुर बनो! बुद्धिमान बनो!! और देश का गौरव बढ़ाओ
आपके घर और आपके बच्चो की शान - चीनू चित्र कथा



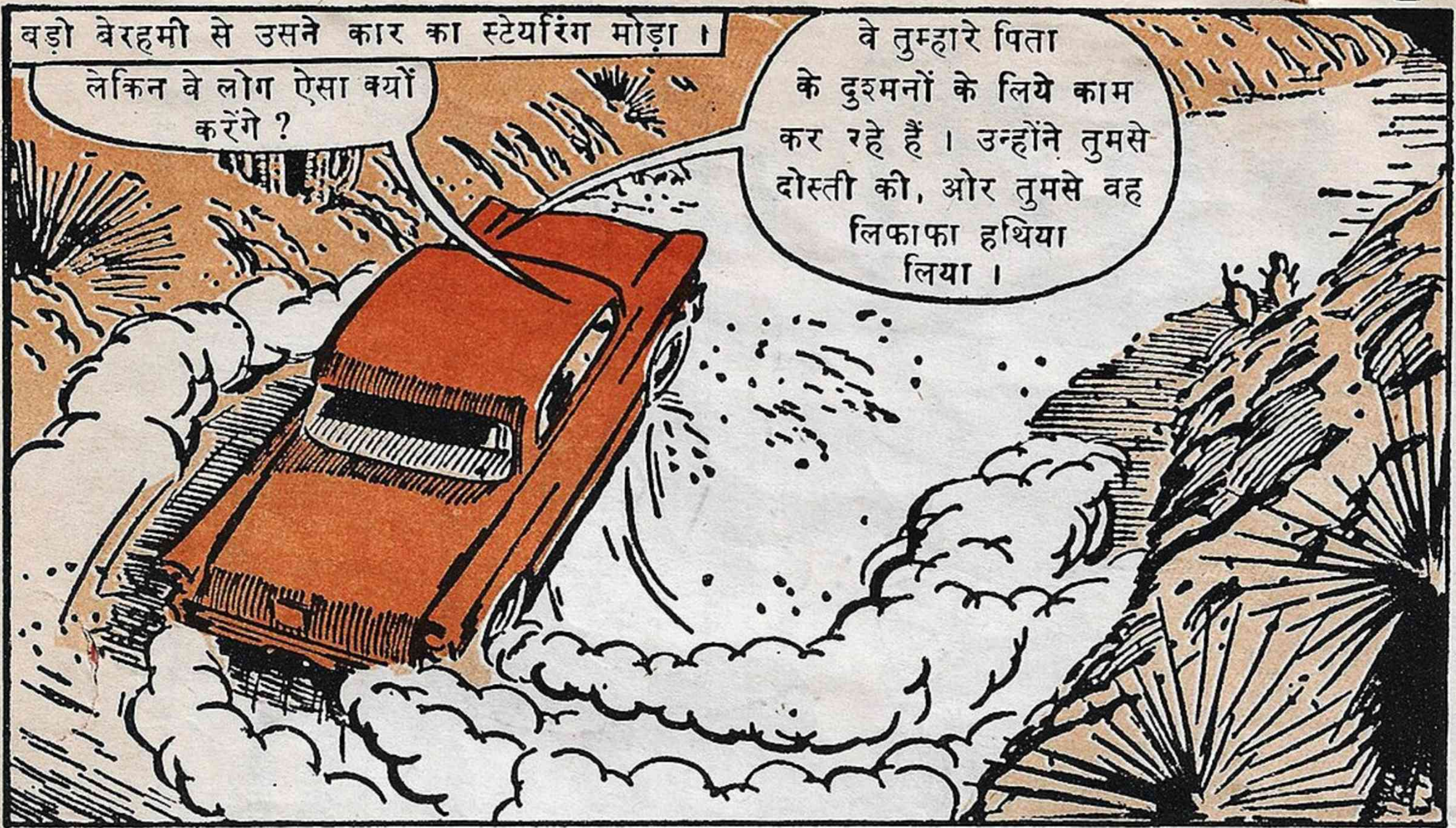
सम्पादिका: उषा रानी व अनिल

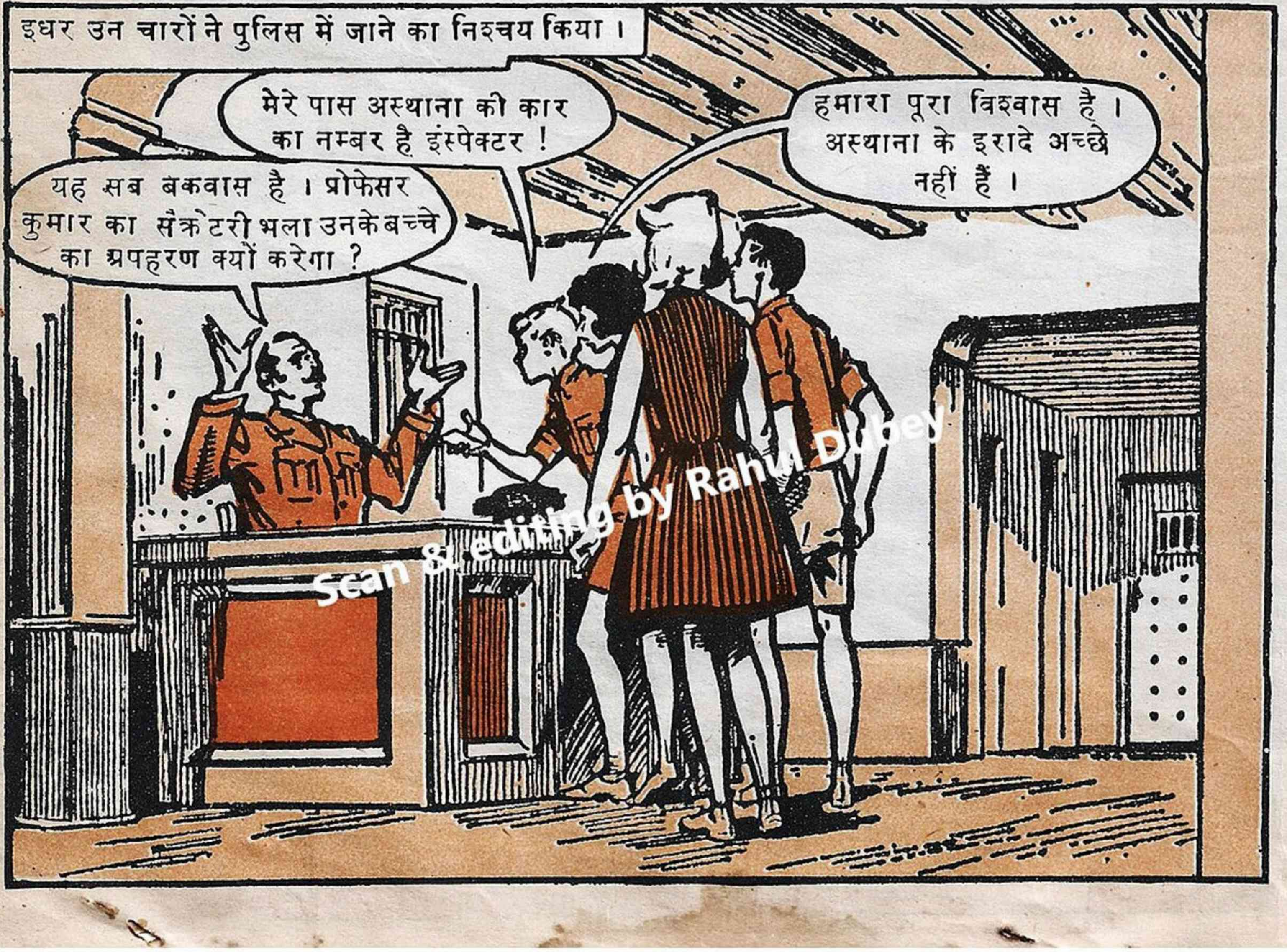
लेखन: चन्दर मोहन चित्रांकन: वीनस आर्ट्स

महावीर प्रसाद जैन द्वारा बॉबी पॉकेट बुक्स, ईश्वरपुरी मेरठ-२ से मुद्रित तथा प्रकाशित

घाटी का रहस्य


एक मिनट बाद मुकेश वापस आ गया।
यह है प्रोफेसर कुमार का लिफाफा–मैंने इसे अपनी ड्रं सिग टेबिल के पीछे छिपा दिया था।
लेकिन वह तो मैंने विकी को दे दिया ?
मैंने इसी तरह का एक लिफाफा खाली कागज भर कर तुम्हारे सामने कालीन के नीचे छुपा दिया था।
मुकेश वास्तव में तुम बहुत चालाक हो ! अस्थाना उस खाली लिफाफे को देखकर घूम जावेगा।
वह धोखेबाज सेन्टगो रास्ते में ही समझ गया की उसको कैसे बेवकूफ बनाया गया था।
क्यों क्या बात हुई अस्थाना ? तुमने पापा का लिफाफा खोल लिया ?
विकी हमें उन लड़के–लड़कियों ने बेवकूफ बना दिया है। उन्होंने असली कागजों की जगह लिफाफे में कोरे कागज भर दिये हैं। हमें वह उनसे वापस लेना होगा।


बड़ी बेरहमी से उसने कार का स्टेयरिंग मोड़ा ।
लेकिन वे लोग ऐसा क्यों करेंगे ?
वे तुम्हारे पिता के दुश्मनों के लिये काम कर रहे हैं । उन्होंने तुमसे दोस्ती की, ओर तुमसे वह लिफाफा हथिया लिया ।

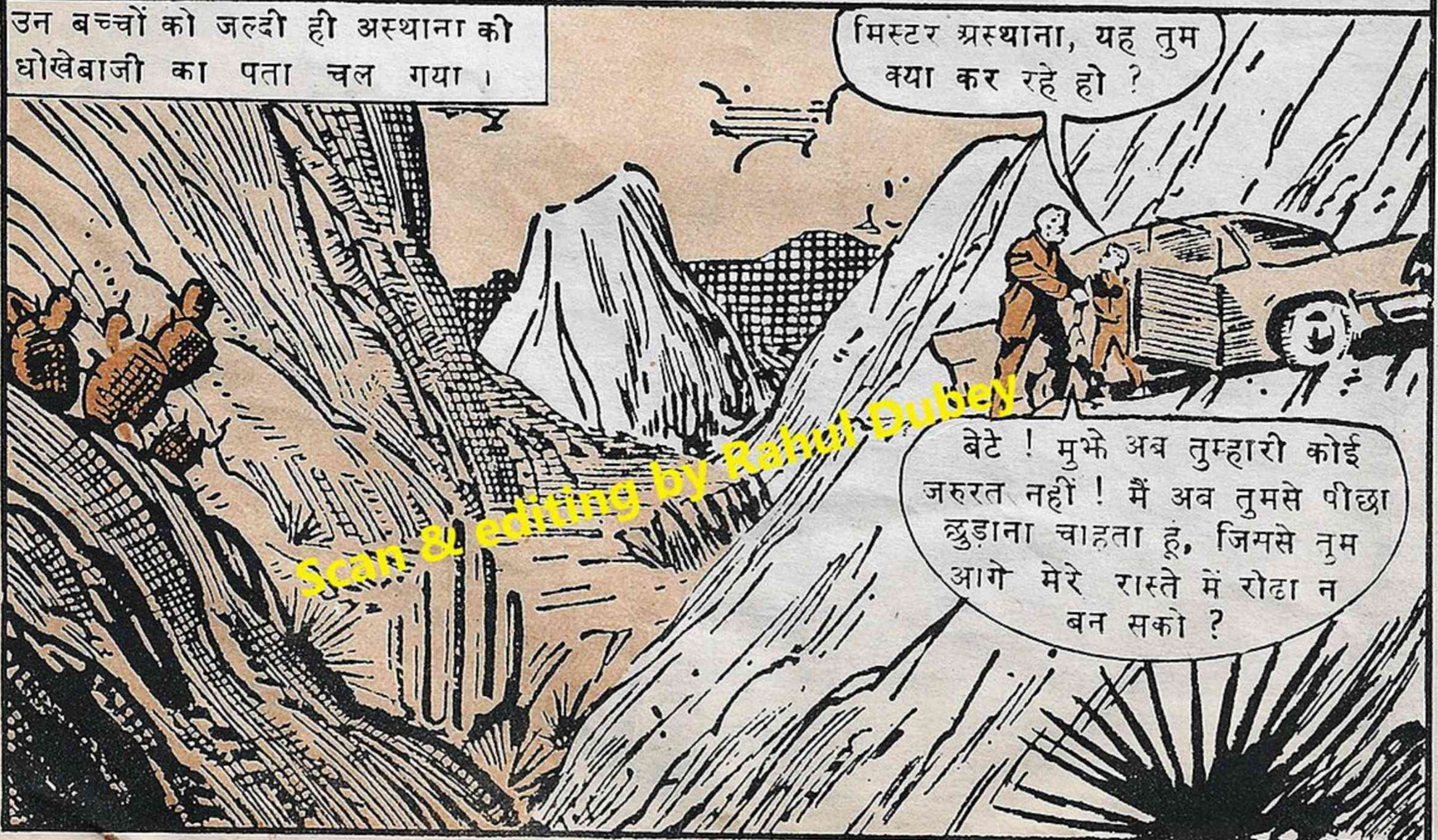

इधर उन चारों ने पुलिस में जाने का निश्चय किया ।
यह सब बकवास है । प्रोफेसर कुमार का सैक्रेटरी भला उनके बच्चे का अपहरण क्यों करेगा ?
मेरे पास अस्थाना की कार का नम्बर है इंसपेक्टर !
हमारा पूरा विश्वास है । अस्थाना के इरादे अच्छे नहीं हैं ।

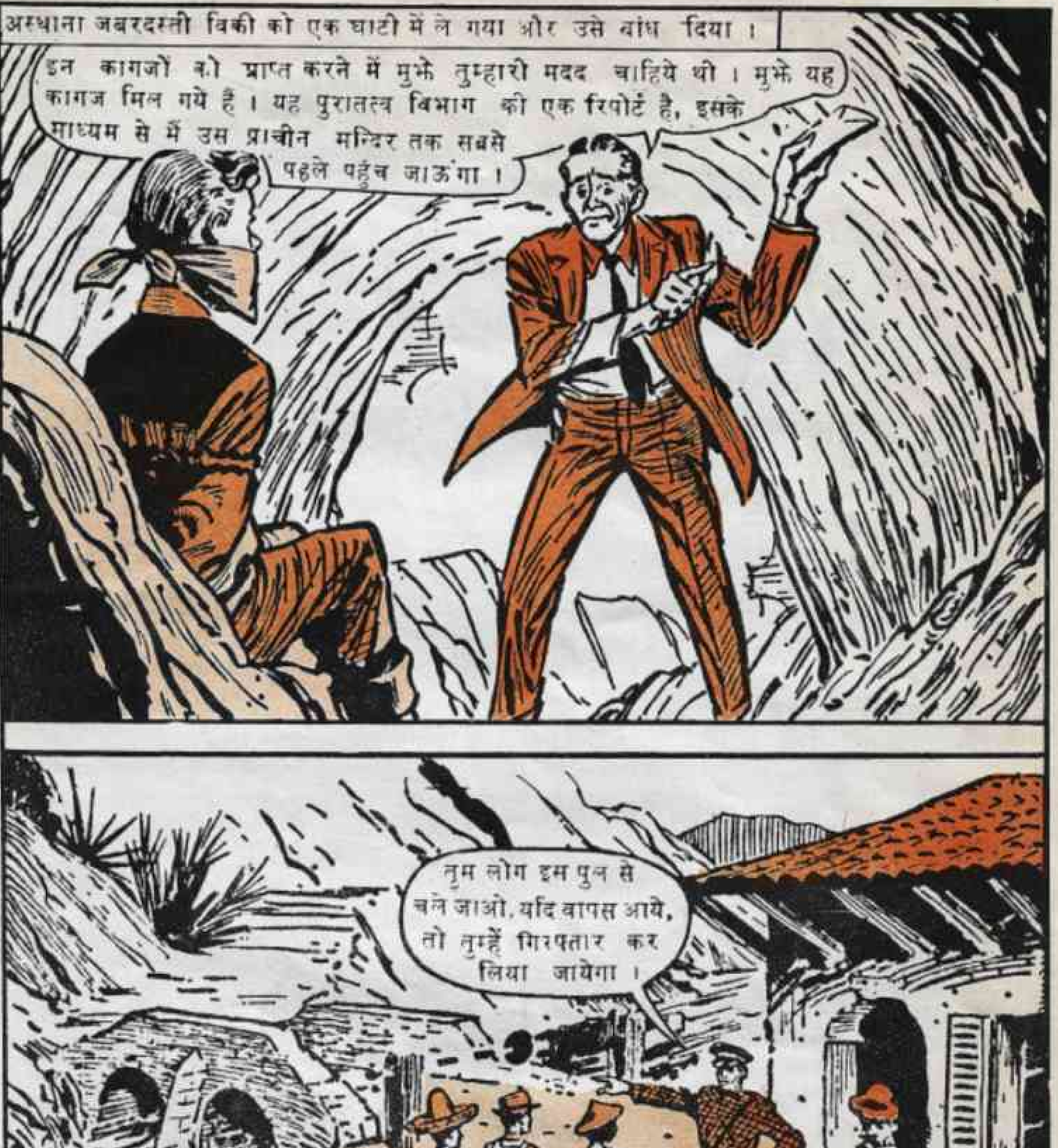

ठीक है, मुझे कार का नम्बर दो। मैं अभी पता किये लेता हूं!
अचानक धक्के से दरवाजा खुला।
विकी!
ओह, तो तुम चारों बदमाश एक साथ जमा हो।
आप कौन साहब हैं?
मैं अस्थाना हूं, प्रोफेसर कुमार का सैक्रेटरी। इन लड़के-लड़कियों ने प्रोफेसर का एक बहुत ही कीमती लिफाफा चुरा लिया है।
क्या ?


तो यह है तुम्हारा बताया अपहरणकर्त्ता ! कहानी अच्छी है । हवलदार इन सब की तलाशी लो ।
मुकेश ने तलाशी का इन्तज़ार न किया ।
यह है वह प्रोफेसर का लिफाफा, लेकिन हमने इसे चुराया नहीं था ।
इन्होंने मुझसे यह संभाल कर रखने के लिये ले लिया था, और बाद में इसे बदल दिया ।


विकी को समझने के लिये उन चारों के पास कोई दलील न थी, इसलिए वह चुप रहे ।
क्या आप इन पर कोई आरोप लगाना चाहेंगे श्रीमान् ?
क्या मैं आपसे अलग में कुछ बात कर सकता हूं, इंस्पेक्टर ?
अब मुझे यहां पर शहर में नहीं रहना चाहिये !
यह एक बहुत नाजुक मामला है । यह बच्चे कोई मामूली चोर नहीं । यह प्रोफेसर के दुश्मन के सहयोगी हैं; यदि आप कर सकें, तो इन्हें सीमा पार भिजवा दें !
मैं समझ गया । यह आप मुझ पर छोड़ दें ।
अस्थाना तुम पर बहुत मेहरबान था । उसने तुम पर कोई केस नहीं चलाया, लेकिन सजा के तौर पर तुम्हें सोनागढ़ की सीमा पर भेज दिया जायेगा ।


अस्थाना जानता है कि यदि पुलिस का चक्कर चला, तो सच्चाई सामने आ जायेगी ।
इसने हमारे विरुद्ध विकी को भी भड़का दिया है । हमें विकी से मिलकर उसे बताना चाहिये की हम उसके सच्चे दोस्त हैं ।


उन बच्चों को जल्दी ही अस्थाना की धोखेबाजी का पता चल गया ।
मिस्टर अस्थाना, यह तुम क्या कर रहे हो ?
बेटे ! मुझे अब तुम्हारी कोई जरुरत नहीं ! मैं अब तुमसे पीछा छुड़ाना चाहता हूं, जिससे तुम आगे मेरे रास्ते में रोढा न बन सको ?


अस्थाना जबरदस्ती विकी को एक घाटी में ले गया और उसे बांध दिया ।
इन कागजों को प्राप्त करने में मुझे तुम्हारी मदद चाहिये थी । मुझे यह कागज मिल गये है । यह पुरातत्व विभाग की एक रिपोर्ट है, इसके माध्यम से मैं उस प्राचीन मन्दिर तक सबसे पहले पहुँच जाऊँगा ।
तुम लोग इस पुल से चले जाओ, यदि वापस आये, तो तुम्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा ।
हम फिर वापस आयेंगे, लेकिन इंस्पेक्टर इसका तुम्हें पता न चलेगा ।


चारों नौजवानों को अब नन्द गाव वापस छिपकर जाने का तरीका ढूंढना था।
चारों तरफ हम कई मील घूम चुके हैं।
सारे पुलों पर गश्त हो रही है।
हम सिर्फ पंख लगाकर ही जा सकते हैं।
शायद रात के अन्धेरे में हम छिपकर निकल सकें।
रात में चांद पहाड़ियों के नीचे से निकला।
नीना मुझे कहने में शर्म आ रही है, लेकिन हम हार गये
हे छुप जाओ! शायद कोई आ रहा है।
ऐसा लगता है जैसे घोड़े नदी पर से होकर जा रहें हों।
शायद सीमा-गश्ती दल के सिपाही होंगे!


कई आदमी भूतों की तरह काफी सारा सामान खच्चरों पर लादे उन्हें जाते दिखाई पड़े ।
नीना यह तस्कर हैं, और रात के अन्धेरों में चोरी से नदी पार कर रहे हैं ।
क्या मुकद्दर है, जब ये लोग नीचे चले जायेंगे तब हम इस बात का पता लगा पायेंगे ।
दो आदमियों ने नदी को पार कर लिया ।
टोनी, हम उस प्रोफेसर का क्या करेंगे ?
विक्टर, तुम उसे जाने न देना । वह प्रोफेसर बहुत कुछ जानता है । वह पेरिडो में पूरी तरह सुरक्षित होगा ।


तुमने यह सब सुना नीना ? इन्होंने किसी प्रोफेसर को पकड़ रखा है । अवश्य ही वह विकी के पिता होंगे । वह उसी जगह कैद होंगे, जहाँ से मुझे यह हैट मिला था। शायद इसी वजह से उस आदमी ने हमे सराय में ठहरने भी नहीं दिया था ।
इसमें ताज्जुब क्या है । वह हमें सराय में क्यों ठहरने देता । यह हैट भी विकी के पिता का होगा । वापस पहुंचने से पहले हमें उन्हें छुड़ा लेना चाहिये ।
चारों बहादुर बच्चे एक साथ उस सकरी घाटी में नदी पार करके आगे बढ़ चले !
आराम से जमा-जमा कर कदम रखना । यहां पानी कम गहरा है ।
नदी पार करके वह एक छोटी-सी पहाड़ी पर जा चढ़े !
मुझे यह छोटी पगडण्डी उसी भूतहा वीरान पेरिडो को जाती मालूम देती है ।
यदि प्रोफेसर यहीं आस-पास खोज कर रहा था, तो अस्थाना भी विकी को लेकर यहीं-कहीं आयेगा ।


चांद की रोशनी होने के बावजूद भी रास्ता इतना खराब था कि वे चारों एक-एक कदम करके आगे बढ़ रहे थे।
यदि हम इस रफ्तार से आगे बढ़ें, तो सूरज निकलने के बाद पेरिडो पहुंचेंगे !
तस्कर जरूर सुबह तक वापस हो लेंगे। यदि उन्होंने हमें वापस आकर पकड़ लिया तो?
सुनो ! वह क्या चीज है?


दूर अंधेरे में से किसी के कराहने की आवाज आ रही है।
शायद कोई परेशानी में है
आवाज ऊपर से आ रही है; इधर से आओ !

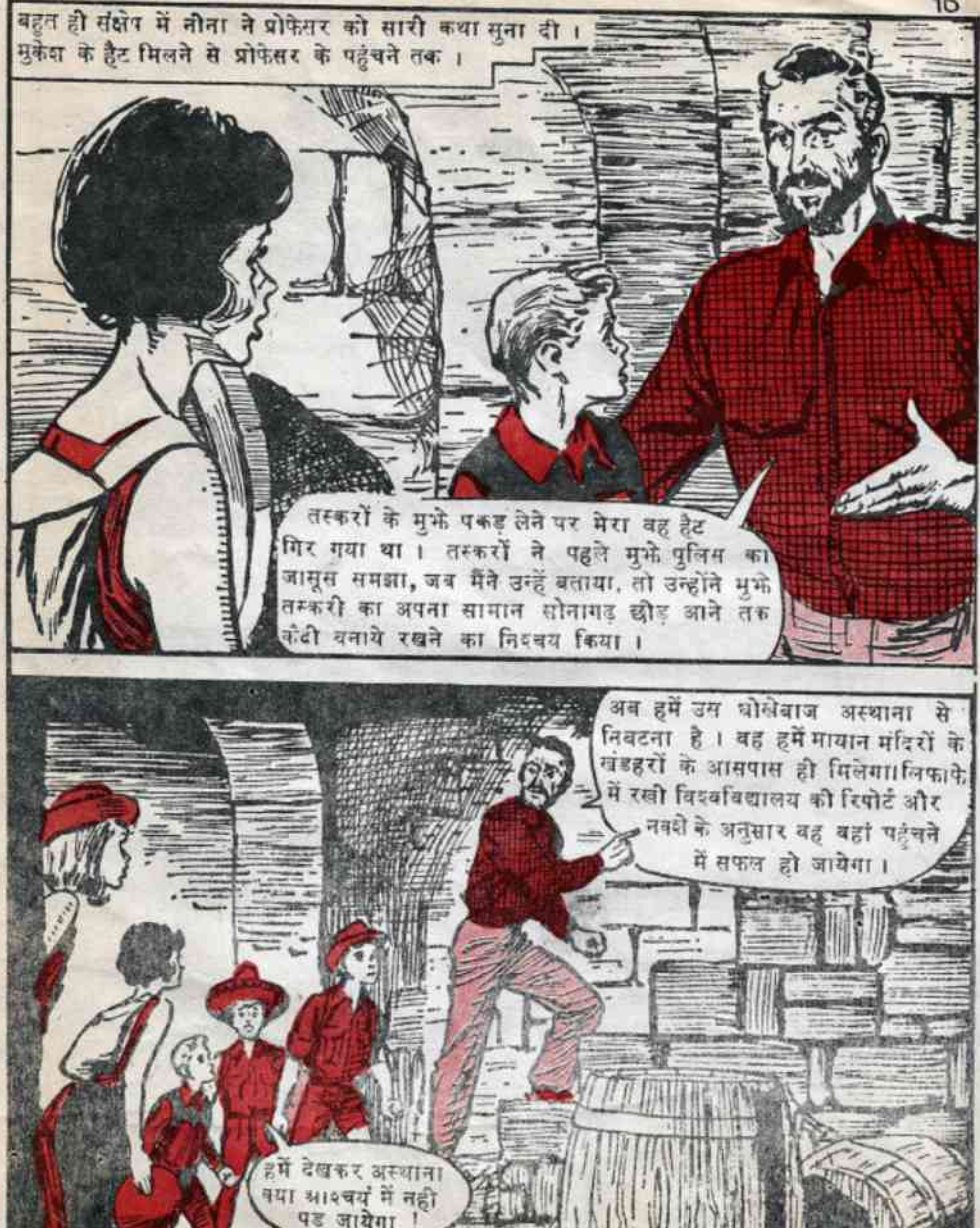

बचाओ !
बचाओ !!
उस घाटी के मुहाने में देखो !
आंखों पर विश्वास नहीं होता, यह तो विकी है !
विकी अपने बचाने वालों को देख कर बड़ा चकित हुआ । नीना ने शीघ्रता से उसे अपने बारे में बता दिया ।
यहां तुम्हें किसने बांधकर डाल दिया— अस्थाना ने ?
तुम्हारा अन्दाजा बिलकुल सही है, मैं आप सब से माफी चाहता हूं; मैं यह समझा कि आप लोगों ने ही मेरे पिता के कागज चुरा लिये थे। अस्थाना उन कागजों के पीछे पड़ा हुआ था। मैं बड़ी मुश्किल से गुफा से बाहर निकल पाया हूं !

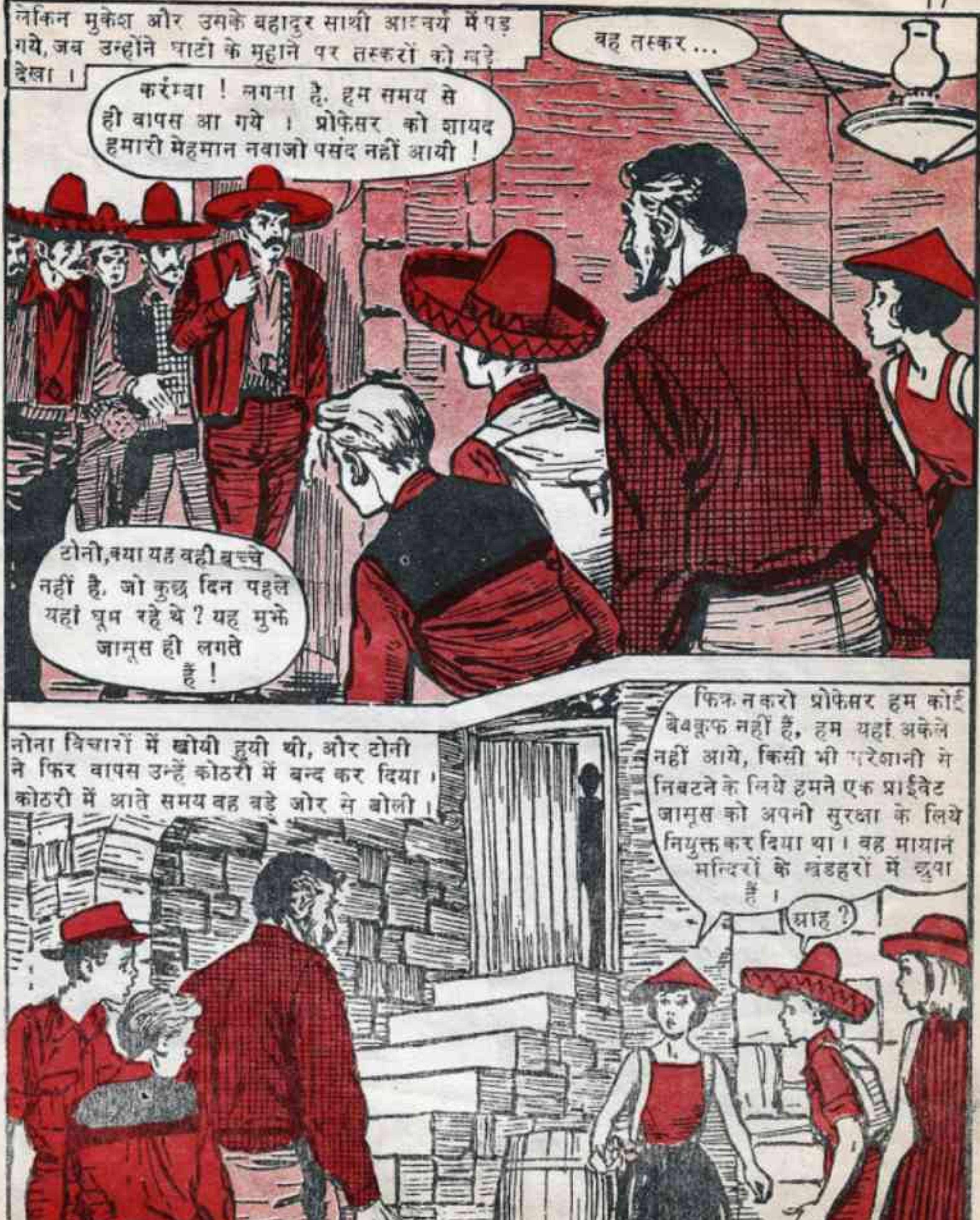

अस्थाना वह लिफाफा क्यों चाहता था ? उन कागजों में क्या था ?
उन कागजों में मायान मन्दिरों तक पहुंचने का नक्शा था। मेरे पिता उन्हीं मन्दिरों की तलाश में हैं। अस्थाना मन्दिरों तक मेरे पिता से भी पहले पहुंचना चाहता है।
उन मन्दिरों में जरूर कोई बहुमूल्य चीज होगी, जो वहां से चुराना चाहता है, वरना वह यह सब बखेड़ा न करता।
जब विकी को यह पता चला कि उस के पिता तस्करों की कैद में है, तो वह उन्हें बचाने के लिये उन चारों के साथ हो लिया। थोड़ा बहुत नाश्ता करने के पश्चात् वह आगे बढ़े, और सुबह होने से पहले पेरिडो के करीब पहुंच गये।
मुझे यहां कोई नजर नहीं आता, लेकिन हमें फिर भी पूरी सतर्कता बरतनी चाहिये। हो सकता है, तस्कर कोई चौकीदार छोड़ गये हों ?


कोहनियों के बल रेंगते हुये पांचों आगे बढ़े। उनका सतर्क रहना ठीक रहा।
हमें किसी भी प्रकार उस पर काबू पाना है।
उसके पास बन्दूक है। मुझे एक तरकीब सूझी है।
अगले ही क्षण में...
अरे! यह कौन आ गया –?
आश्चर्यचकित–सा वह आदमी विकी की तरफ दौड़ा।
जल्दी ही मैं तुझे पकड़ लूंगा!

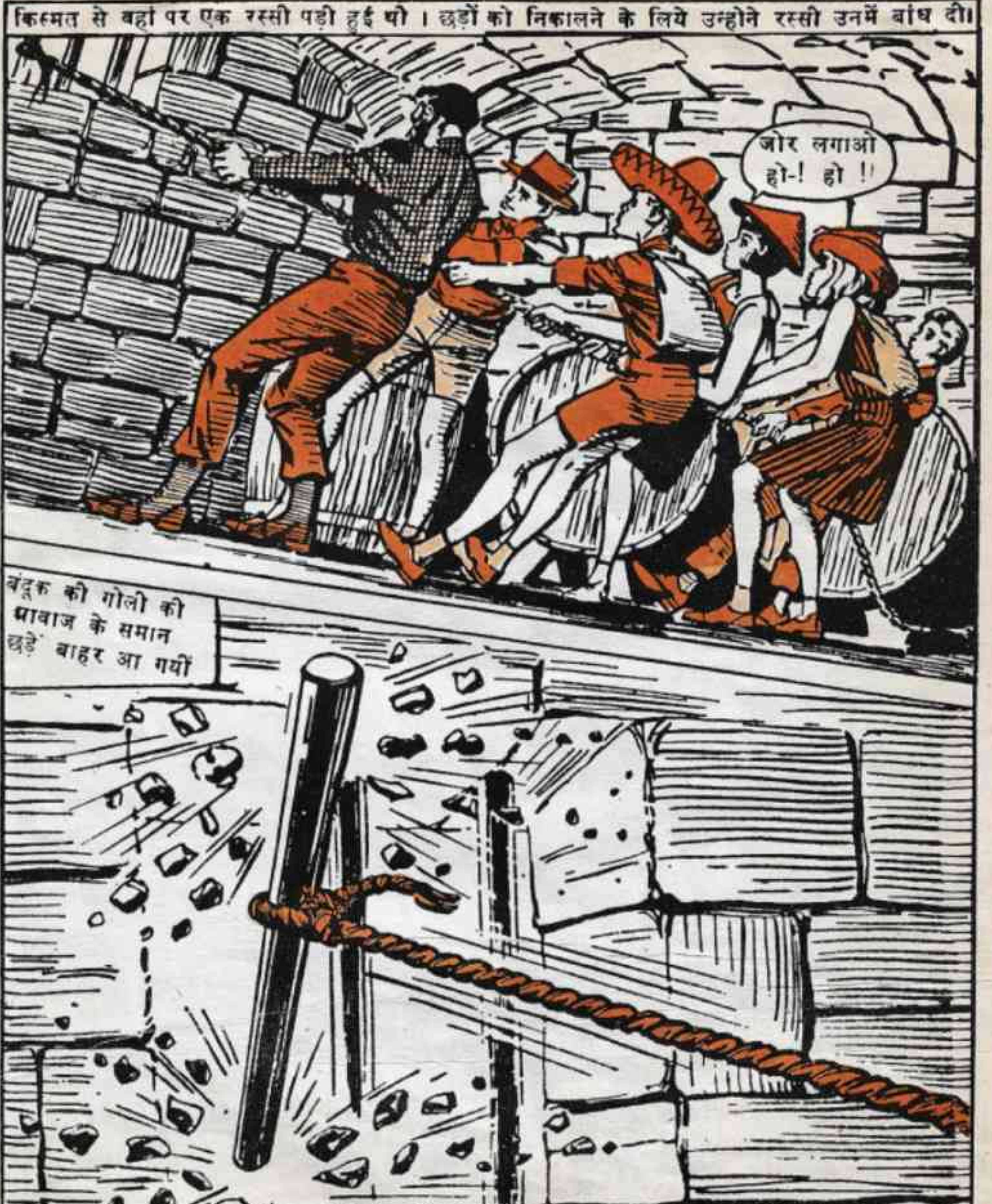

बाहर भागते समय वह लड़कों के अड़ाये हुये पैरों को न देख पाया ।
आह SSS


चौकीदार को जमीन सुंघाने का काम मिनटों में हो गया, तब वह चारों नौजवान तथा विकी रहस्यमय घाटी के अन्दर गये । वहां एक कोठरी में–!
पापा !
विकी ! मेरे बच्चे !


बहुत ही संक्षेप में नीना ने प्रोफेसर को सारी कथा सुना दी। मुकेश के हैट मिलने से प्रोफेसर के पहुंचने तक।
तस्करों के मुझे पकड़ लेने पर मेरा वह हैट गिर गया था। तस्करों ने पहले मुझे पुलिस का जासूस समझा, जब मैंने उन्हें बताया, तो उन्होंने मुझे तस्करी का अपना सामान सोनागढ़ छोड़ आने तक कैदी बनाये रखने का निश्चय किया।
अब हमें उस धोखेबाज अस्थाना से निबटना है। वह हमें मायान मंदिरों के खंडहरों के आसपास ही मिलेगा। लिफाफे में रखी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट और नक्शे के अनुसार वह वहां पहुंचने में सफल हो जायेगा।
हमें देखकर अस्थाना क्या आश्चर्य में नहीं पड़ जायेगा!

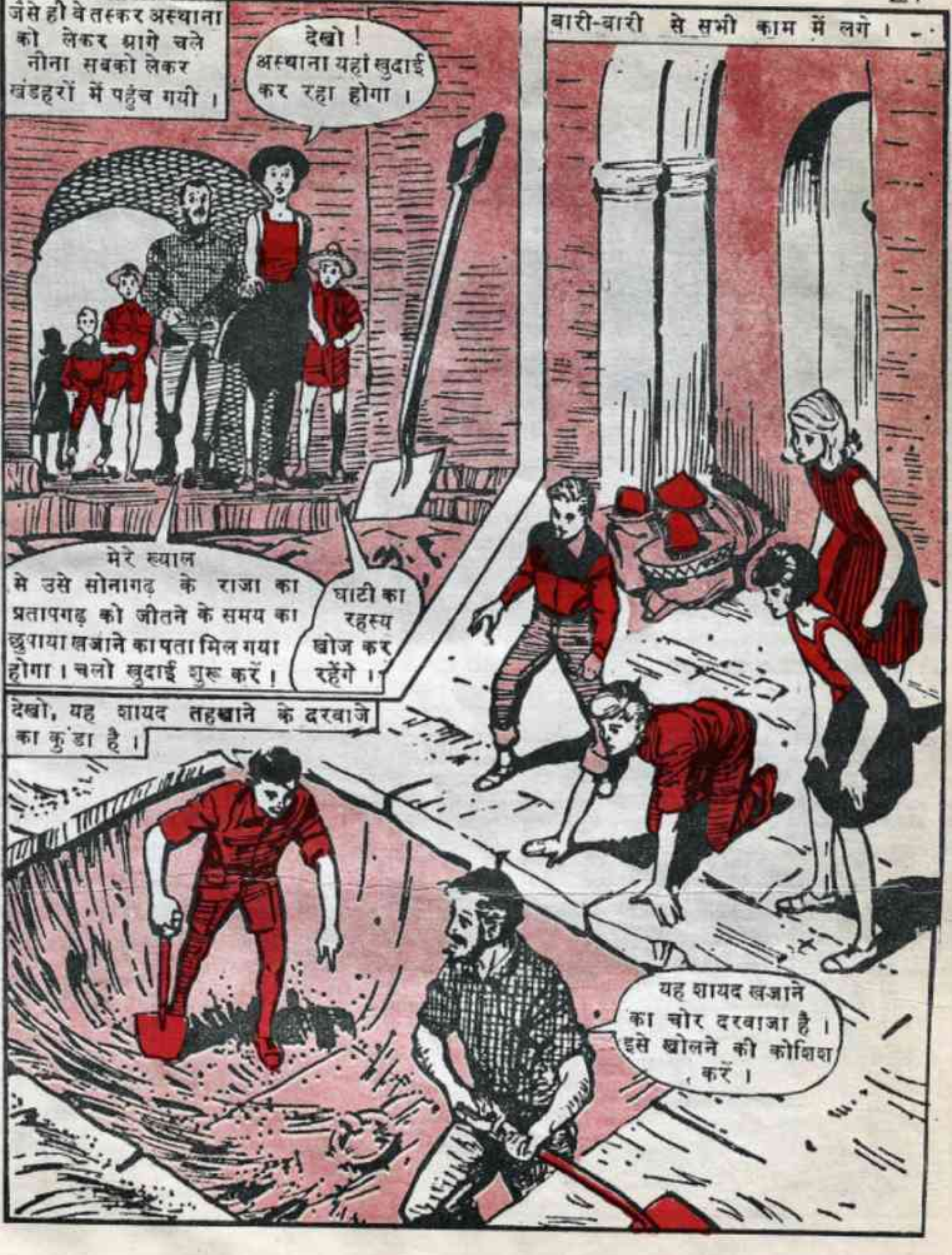

लेकिन मुकेश और उसके बहादुर साथी आश्चर्य में पड़ गये, जब उन्होंने घाटी के मुहाने पर तस्करों को खड़े देखा ।
करंम्बा ! लगता है, हम समय से ही वापस आ गये । प्रोफेसर को शायद हमारी मेहमान नवाजी पसंद नहीं आयी !
वह तस्कर...
टोनी, क्या यह वही बच्चे नहीं है, जो कुछ दिन पहले यहां घूम रहे थे ? यह मुझे जासूस ही लगते हैं !
नोना विचारों में खोयी हुयी थी, और टोनी ने फिर वापस उन्हें कोठरी में बन्द कर दिया । कोठरी में आते समय वह बड़े जोर से बोली ।
फिक्र न करो प्रोफेसर हम कोई बेवकूफ नहीं हैं, हम यहां अकेले नहीं आये, किसी भी परेशानी से निबटने के लिये हमने एक प्राईवेट जासूस को अपनी सुरक्षा के लिये नियुक्त कर दिया था । वह मायान मन्दिरों के खंडहरों में छुपा है ।
आह ?


तुम कैसी बहकी-बहकी बातें कर रही हो ?
स ऽ श ऽ मुकेश अगर वह मेरी बातों में आ गये, तो हम एक तीर से दो शिकार कर लेगें ।
एक तीर से दो शिकार ? तुम्हारा मतलब क्या है नीना ?
यदि मेरी बात पर तस्करों ने विश्वास किया; तो वे जासूस को खोजने खंडहरों में जायेंगे और इस बीच में हम यहां से छुटकारे की कोई तरकीब खोज निकालेंगे !
इसके साथ ही साथ वहां खंडहरों में उन्हें जासूस अस्थाना मिलेगा । वह कैद हो जायेगा और भाग नहीं सकेगा ।
नीना की तरकीब काम कर गयी ।
पापा ! वे सब खंडहरों की तरफ जा रहे हैं ।
मैंने खिड़की की यह छड़ थोड़ी ढीली कर दी है, थोड़े से प्रयास से हम यहां से यह सारी छड़ें निकाल सकते हैं ।
Scan & editing by Rahul Dubey

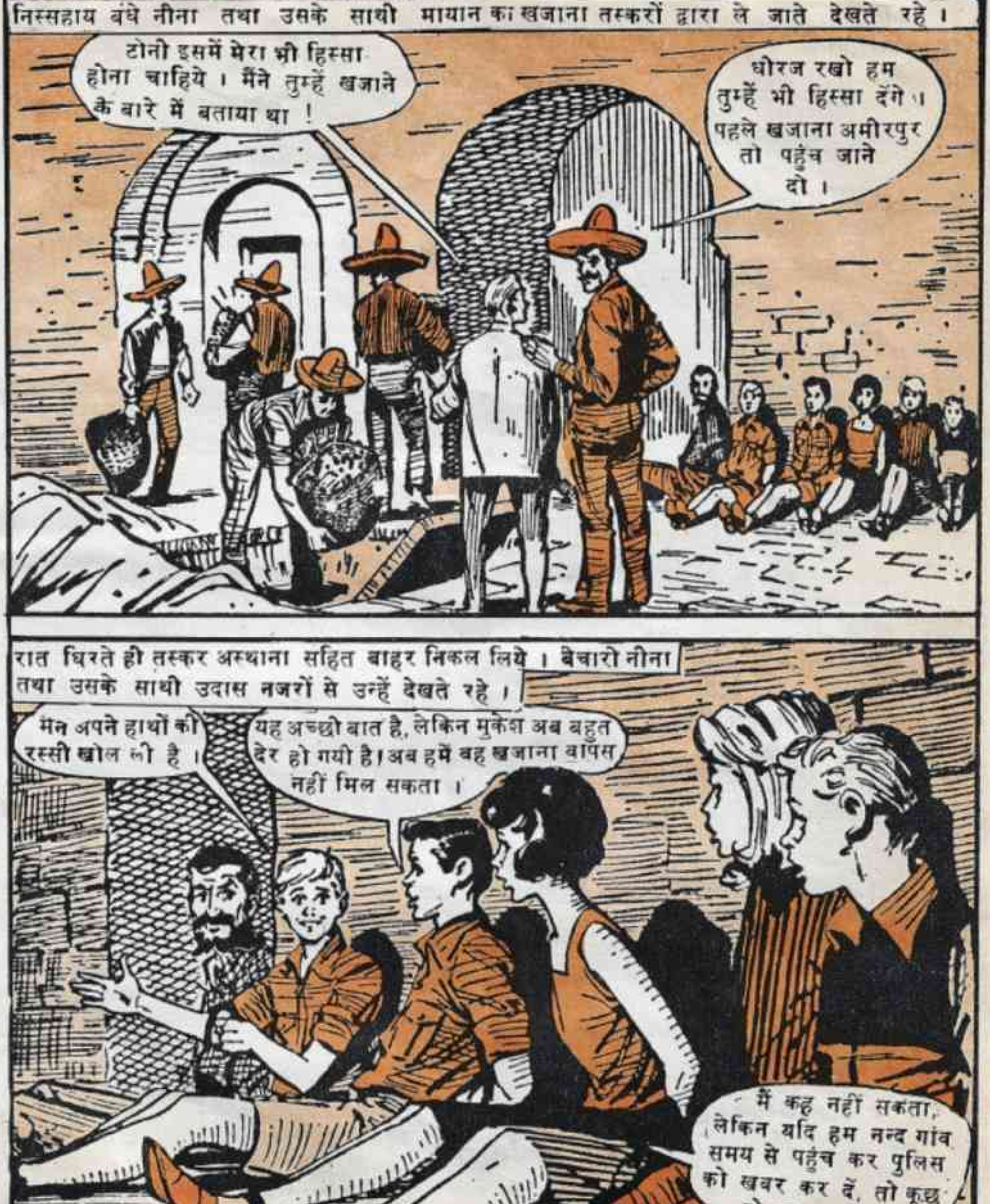

किस्मत से वहां पर एक रस्सी पड़ी हुई थी। छड़ों को निकालने के लिये उन्होने रस्सी उनमें बांध दी।
जोर लगाओ हो-! हो !!
बंदूक की गोली की आवाज के समान छड़ें बाहर आ गयीं


खिड़की के रास्ते निकल भागने के लिये काफी जगह हो गयी थी ।
छिप जाओ ! वे लोग वापस आ रहे हैं, और उन्होंने अस्थाना को पकड़ लिया है ।


मैं कोई जासूस नहीं हूं । मैं कसम खाकर कहता हूं, मैं निर्दोष हूं ।
चुप रहो ! तुम समझते हो हम बेवकूफ हैं ?

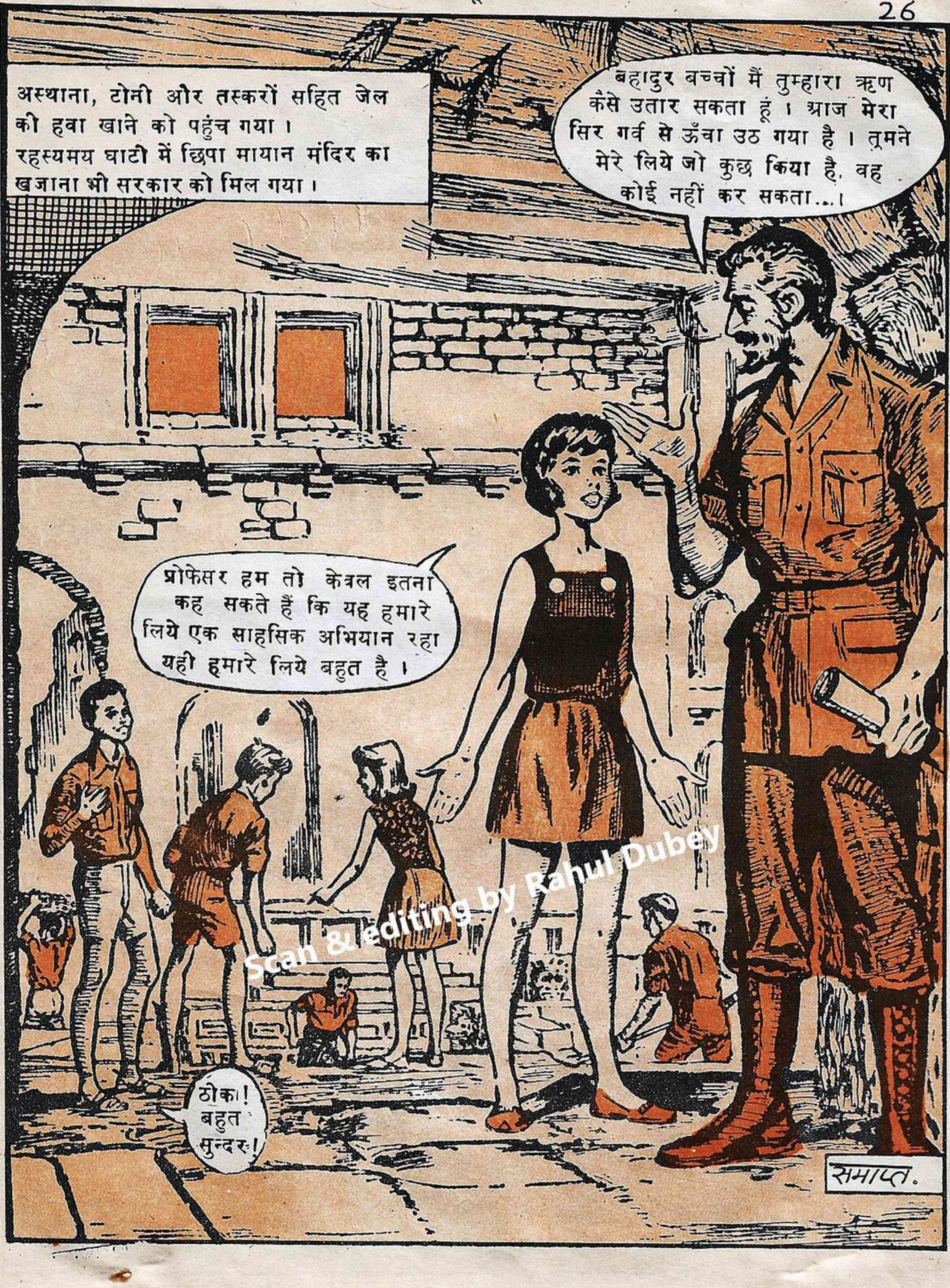

जैसे ही वे तस्कर अस्थाना को लेकर आगे चले नीना सबको लेकर खंडहरों में पहुंच गयी ।
देखो ! अस्थाना यहां खुदाई कर रहा होगा ।
मेरे ख्याल मे उसे सोनागढ़ के राजा का प्रतापगढ़ को जीतने के समय का छुपाया खजाने का पता मिल गया होगा । चलो खुदाई शुरू करें ।
घाटी का रहस्य खोज कर रहेंगे ।
बारी-बारी से सभी काम में लगे ।
देखो, यह शायद तहखाने के दरवाजे का कुंडा है ।
यह शायद खजाने का चोर दरवाजा है । इसे खोलने की कोशिश करें ।


उस दरवाजे को खोलना कोई आसान काम न था, लेकिन एक साथ जोर लगाने पर वह खुल गया।
वाह! मायानका यह खजाना करोड़ों का होगा।
अस्थाना ठीक ही सोच रहा था!
अचानक उनके पीछे से आवाज हुई।
यह तुमने बहुत अच्छा किया। खजाने को ढूंढने और उसे खोद निकालने की हमारी मेहनत बच गयी।
मैंने तुमसे क्या कहा था कि मैं जासूस नहीं हूं।
टोनी तुम इस खजाने को नहीं ले जा सकते, यह सरकार की सम्पत्ति है।
लेकिन सरकार और हम में तो कतई नही बनती प्रोफेसर! मैं आज रात यह सारा खजाना अमीरपुर पहुंचा दूंगा। मुझे करोड़ों रुपयों का फायदा होगा।
Scan & editing by Rahul Dubey


निस्सहाय बंधे नीना तथा उसके साथी मायान का खजाना तस्करों द्वारा ले जाते देखते रहे ।
टोनी इसमें मेरा भी हिस्सा होना चाहिये । मैंने तुम्हें खजाने के बारे में बताया था !
धीरज रखो हम तुम्हें भी हिस्सा देंगे । पहले खजाना अमीरपुर तो पहुंच जाने दो ।
रात घिरते ही तस्कर अस्थाना सहित बाहर निकल लिये । बेचारी नीना तथा उसके साथी उदास नजरों से उन्हें देखते रहे ।
मैंने अपने हाथों की रस्सी खोल ली है ।
यह अच्छी बात है, लेकिन मुकेश अब बहुत देर हो गयी है। अब हमें वह खजाना वापस नहीं मिल सकता ।
मैं कह नहीं सकता, लेकिन यदि हम नन्द गांव समय से पहुंच कर पुलिस को खबर कर दें, तो कुछ हो सकता है ।


अस्थाना की कार । उसने अपनी कार यहीं कहीं आसपास छुपाई होगी । यदि हमें कार मिल गयी तो, हम घोड़ों खच्चरों के मुकाबले तेजी से पहुंच जायेंगे ।
शीघ्र ही उन्हें खंडहरों की आड़ में अस्थाना की कार मिल गयी। प्रोफेसर अच्छे थे । शीघ्र ही वे नन्द गांव पुलिस स्टेशन पहुंच गये । इंस्पेक्टर उनकी कहानी सुनकर चकित रह गया
लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है । ऐसी सैंकडों जगह हैं जहां से यह तस्कर निकल सकते हैं ।
लेकिन हमें उस गुप्त रास्ते का पता है, जिससे वह लोग निकलेंगे। हम आपको वहां तक पहुंचा देंगे ।


कोई एक घंटे बाद । खच्चरों की कतार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी । अमीरपुर करीब ही था । अचानक रोशनी कौंध उठी ।
ठहरो ! तुम सब पुलिस के घेरे में हो. अपने हथियार डाल दो ।
इन बच्चों ने हमें फिर हरा दिया ।
करेम्बा का खेल खत्म हो गया ।


अस्थाना, टोनी और तस्करों सहित जेल की हवा खाने को पहुंच गया। रहस्यमय घाटी में छिपा मायान मंदिर का खजाना भी सरकार को मिल गया।
बहादुर बच्चों मैं तुम्हारा ऋण कैसे उतार सकता हूं। आज मेरा सिर गर्व से ऊँचा उठ गया है। तुमने मेरे लिये जो कुछ किया है, वह कोई नहीं कर सकता...।
प्रोफेसर हम तो केवल इतना कह सकते हैं कि यह हमारे लिये एक साहसिक अभियान रहा यही हमारे लिये बहुत है।
ठीक! बहुत सुन्दर!
समाप्त.

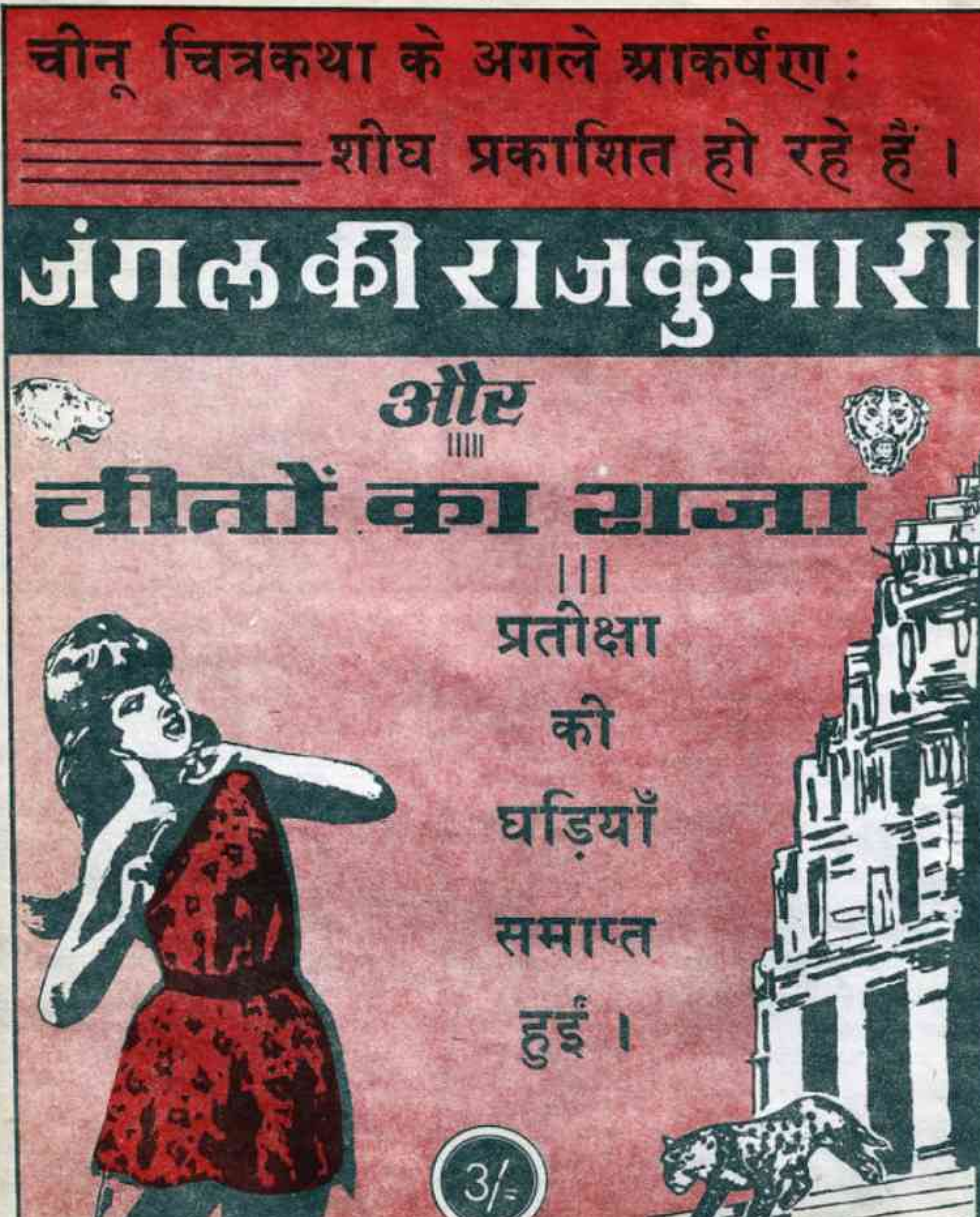

जूडो की करामात
तुमने वह खर्च नहीं किये ?
नहीं तुम्हारी छीना-झपटी में वह मैंने उस लेटर बाक्स में डाल दिये थे
ठीक है ! इसके बावजूद भी यह तुम्हें नहीं मिल पायेंगे ।
हां ! हां ! ये बेचारी क्या समझ रही है । रुपये तो मेरी जेब में हैं ।
१५ मिनट बाद ......
लेटर बाक्स में कोई रुपया नहीं है । वह लेटर बाक्स है, कोई गुल्लक नहीं ।
भाई एलिस ने मुझे धोखा दिया ।


ओह ! एलिस को मिलने दो— आज मैं उसे जूडो के सारे दांव-पेंच दिखा दूंगी।
ओह ! वह उधर झूला-झूल रहा है।
क्या तुम और जोर से झोंटा नहीं दे सकते ?
हे ! हो ! जोला ?
मैं तुम्हें झोंटा देती हूं।
तुम्हें कोई शायद पुकार रहा है।


देखो मैं तुम्हारे दो रुपयों का क्या लाया हूं ।
मेरा भाई तो वह जा रहा - फिर ये कौन है ..?
मेरी बहन चानो !
क्या बात है जोला ! तुमने सीखे जूडो दांव एलिस पर नहीं अजमाये
नहीं ! वह बहुत भारी है, जब जूडो का असर एलिस पर ही नहीं हुआ, तो उस पर क्या होगा ?


लेकिन तुम्हारी पुस्तक के अनुसार जूडो में भारी भरकम होने का कोई फरक नहीं पड़ता ।
हूं ! लाओ जरा देखूं तो—!
जोला मैं तुम्हें करके दिखाऊं !
ठीक है, लेकिन यदि तुम मुझे न गिरा सकीं, तो तुम मुझे भर पेट मिठाई खिलाओगी ।
जोला तुम तैयार हो ?
हां ! पूरी तरह ।


ओह ! मेरी तौबा ...
ओह ... बा बचाओं ...।
बचाओं ...!
तुम ठीक तो हो जोला ?
बहुत ठीक ! मैं किसी बहुत मुलायम चीज पर गिरी हूं, शायद मेरा भाई एलिस है । यह ठीक हो रहा, एलिस मेरे हिस्से की सारी मिठाई खाये जा रहा था ।
हाय ! हाय ! जोला के गिराने से पहले सोच लिया करो इसने तो मेरी जान ही निकाल दी ।
मेरा विश्वास है जोला तुम यह दांव मुझ पर नहीं आजमाओगी ।



Printed at Metro Offset Printers, A-21/11, Naraina Industrial Estate, Phase-ii, New Delhi-110028


राम श्याम 001/2
बालजगत के लिये आश्चर्यजनक खोज
चीनू
चित्र कथा
Scan & editing by Rahul Dubey
चीनू चित्रकथा
बहादुर बनो! बुद्धिमान बनो!! और देश का गौरव बढ़ाओ
आपके घर और आपके बच्चों की शान - चीनू चित्र कथा